(ख) से (घ) स्व-वित्त पोषित योजना IV के लिए विवरणिका में यह प्रावधान है कि यदि नियतन की तारीख से 2½ वर्ष की अवधि के भीतर फ्लैटों को पूरा नहीं किया जाता है तो 2½ वर्ष के बाद से फ्लैट पूर्ण होने तक की अवधि के लिए जमा की गई राशि पर ब्याज दिया जाता है। दिये जा रहे ब्याज की दर छः माह तक विलम्ब के लिए 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष तथा छः माह के बाद के विलम्ब के लिए 10% प्रतिवर्ष है ।

**मंडल संख्या 43 के कार्यालय का स्थानांतरण**

700. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति विभाग, दिल्ली प्रशासन के मंडल सं० 43 के कार्यालय के स्थानान्तरित किए जाने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) क्या यह सच है कि किन्हीं कारणों से उपर्युक्त मंडल का स्थानान्तरण भी तक नहीं किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इसका स्थानांतरण कब तक कर दिए जाने की संभावना है ?

**संसदीय कार्य मंत्री तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत)** : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

(ग) दिल्ली प्रशासन के खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता कार्य विभाग के सर्किल नं० 43 के कार्यालय को उपयुक्त स्थान उपलब्ध न होने के कारण अभी तक स्थानांन्तरित नहीं किया जा सका है तथा जैसे ही उपयुक्त स्थान की व्यवस्था कर ली जाएगी, इसे स्थानांतरित कर दिया जाएगा ।

**Sale of Fertilizers at Discount**

701. SHRIMATI JAYANTHI NATA. RAJAN: Will the Minister of AGRI CULTURE be pleased to state:

(a) whether the Fertilizer Industry is now in a serious financial crisis due to stockpiling of over 3. 7 million tonnes of fertilizer and whether, as a result of this the industry was forced to sell fertilizer at a discount causing a loss of Rs. 400 crores In 1986-87;

(b) whether this stockpiling was caused by any policy change by Government with regard to fertilizers; and

(c) if not, what are the reason* for such stockpiling?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF FERTILI ZERS IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. FRABHU): (a) to (c) Remarkable performance of the indigenous industry and below target consumption on account of prolonged drought have contributed to the increase in stocks of unsold fertilizers. Even though the prices of fertilizers are statutorily control led, manufacturers offered discount to liquidate the stocks.

,

**Sickness of Fertilizer industry**

702. SHRI D. B. CHANDRE GOWDA; SHRI K. VASUDEVA PANI-CKER:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state;

(a) whether it is a fact that due 1 to unwarranted Government policies, the fertilizer units functioning in the public, joint and private sectors in the country have all turned sick as reported in the 'Hindustan Times' J dated the 26th September. 1987;

(b) if so, whether any investiga tions have been made to find out the exact cause of sickness in the ferti lizer industry; an<j